आखिर मृत्यु से भय क्यों लगता है...

ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

मनुष्य को जीवन में किसी न किसी बात का भय होता है। शायद ही कोई हो जो भय से छूटा हो। ग्रंथ साहिब में भी परमात्मा की जीवन महिमा है कि परमात्मा निर्भय है। और कोई भी नहीं है जो सदा व पूर्ण रूप से निर्भय हो। थोड़ा-सा धमाका हो तो व्यक्ति थिरक जायेगा, चाहे दूर खड़ा हो। मान लीजिये एक व्यक्ति ने सांप देख लिया तो सोचेगा– या तो यह दूसरा रास्ता ले या मैं लूँ। कहीं मुझे काट न ले। अतः गीता में भी कहा है मृत्यु से अमरत्व की ओर ले चलो। हरेक चाहता है कि हमारी मृत्यु भयावह न हो, ठीक तरह से प्राण छूटें। कईयों को देखते हैं कि वे दवाईयों के सहारे, ऑक्सीजन के सहारे जी रहे हैं। कोई-कोई तो तड़प-तड़प कर मरते हैं। किसी-किसी के तो प्राण छूटते ही नहीं। कोई-कोई को तो शरीर छोड़ने में सालों साल लग जाते हैं। ये सब देख व्यक्ति को अपने प्रति भय लगता है कि हमारा अनागत (आगे आने वाला समय) क्या होगा!

मनुष्य को सिर्फ अनागत का नहीं, बल्कि आगत(अभी आया हुआ समय) का भी भय होता है। कोई हमारे सामने बन्दूक लेकर आ गया। लगता है कि बस अब शूट करेगा। बदन काँपता है, आवाज़ निकलती नहीं। गीता में भी यही लिखा हुआ है कि अर्जुन का गला सूख गया, हाथ शिथिल हो गये, तीर-कमान छूट गये कि इतनी सेना व बड़े-बड़े योद्धा मेरे सामने हैं! भय ऐसी चीज़ है जो झकझोर देता है जिसे बाबा, भय का भूत कहते हैं। बड़े-बड़े ताकतवर देश भी भयभीत हैं। इसलिए अपने गुप्तचरों को रखते हैं। हर देश के मंत्री अपने साथ सदा ब्लैक कैट, कमांडो जैसे अंगरक्षकों को रखते हैं क्योंकि डर है कि कहीं कोई गोली न मार दे। तो ये कलियुग है ही भय की दुनिया। किसी को आयकर का डर है, किसी को वाणिज्य कर का और किसी को चोर-लुटेरों का।

अब प्रश्न उठता है कि सूक्ष्म में भी हमारे मन में भय का संस्कार क्यों होता है? इस पर मनोवैज्ञानिकों ने प्रयोग किये हैं। किसी को पानी से डर लगता है, तो किसी को गोलीबारी से, किसी को आग से, चाहे कोई कारण भी सामने नहीं है।

1. कहते हैं, भय जन्मजात है। कारण पूछो तो उनके पास उत्तर नहीं होता। लोग कहते हैं कि ये तो वहम करता है परन्तु सारे वहम तो नहीं होते। मनुष्यों ने इस पर तजुर्बे किये हैं। इस बात से हम पुनर्जन्म को सिद्ध करते हैं। पूर्वजन्म में कोई घटना घटी, वो दब गयी अब फिर उभरती है।

2. या फिर उस व्यक्ति ने किसी को वह दुःख भोगते देखा होता है। उदाहरणार्थ, कोई ट्रक के नीचे आ गया, पूरी तरह तड़प रहा है उस दृश्य को वह देख रहा है तो उसकी बुद्धि में बैठ जाता है कि मृत्यु बड़ी भयानक होती है। कहीं मेरा भी ऐसा हाल न हो। उसकी बुद्धि से वह बात मिटती ही नहीं चाहे वह कितनी भी कोशिश कर ले। मृत्यु-भय से दूर होने के लिए कई लोग मृत्युंजय मंत्र का पाठ करते हैं। कई ऐसे साधक भी हैं जो कहते हैं– हे भगवन्, हमें कुछ ओर नहीं चाहिए, हमारी मृत्यु ठीक हो।

3. कई बार अपने ही किये हुए पाप कर्म भय के रूप में आते हैं, मन को खाते हैं। उदाहरणार्थ, चोरी की और पकड़े गये तो पिछली सारी चोरियाँ भी पता चलेंगी, तो जेल की हवा खाओ। इसलिए बाबा कहते हैं, "सच तो बिठो नच।" तुमने पाप कर्म किया ही नहीं, फिर भय क्यों हो? हमारा कौन क्या बिगाड़ेगा जब हमने किसी का कुछ बिगाड़ा ही नहीं?

4. भय आने के लिए अनिश्चितता भी एक कारण बनता है। किसी बात का जब ठीक तरह से पता नहीं है तो व्यक्ति सोचता है कि मैं चल तो ठीक रहा हूँ, किसी को दुःख नहीं दे रहा हूँ परन्तु मैं पक्का नहीं कह सकता। न भविष्य का पूरा पता है, न भूतकाल का। इसलिए थोड़ा बहुत भय रहता है।

खास बात तो यह है कि मनुष्य देह-अभिमान में है। देह-अभिमान में आने से ही भय होता है। परन्तु जब देह से उपराम हो, भगवान की याद में तल्लीन हो तो भय नहीं होता। व्यक्ति को थोड़ा तो देह-अभिमान रहता है। देह नश्वर है इसलिए सूक्ष्म रूप में थोड़ा-सा भय आ जाता है। गीता में अर्जुन ने कहा है– हे भगवान, अपना मोहिनी रूप दिखाओ।

5. जो असमर्थ होता है उसे भी भय होता है। वास्तव में दुनिया में सभी असमर्थ हैं। दुःख-सुख के अधीन हैं इसलिए भय रहता है। जब हम उन बातों से भी उपराम हो जायें, देहभान से भी परे हो जायें, फिर भय नहीं रहता।

राजकोट-गुज.। ब्रह्माकुमारीज़ एवं राजकोट ट्राफिक पुलिस द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित 'सड़क सुरक्षा मोटर साइकिल यात्रा' अभियान का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते हुए यातायात परिवहन विभाग राज्यमंत्री अरविंद भाई रैयानी, डेप्युटी मेयर दर्शिता शाह, किशोर राठौड़, एसीपी विजय भाई मल्होत्रा, कलेक्टर धांधल सर, जयेश भाई उपाध्याय,बोलबाला ट्रस्ट, डी.वी. मेहता,जीनियस ग्रुप, ब्र.कु. दक्षा बहन, ब्र.कु. भगवती बहन, ब्र.कु. ज्योत्सना बहन, ब्र.कु. रेखा बहन, ब्र.कु. गीता बहन, ब्र.कु. अंजू बहन तथा अन्य। यात्रा में 75 बाइक सवार शामिल रहे।

छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आई.एम.ए. डॉक्टर्स के लिए आयोजित 'स्वास्थ्य सुरक्षा और जीवन मूल्य-एक आध्यात्मिक पहल' विषयक कार्यक्रम में नवजीवन हॉस्पिटल के डायरेक्टर एवं यूरोलॉजिस्ट डॉ. ब्रजेश सिंघल, छतरपुर सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु. शैलजा बहन, सीएमएचओ डॉ. विजय पथोरिया, गैस्ट्रोलॉजिस्ट अमित थावरानी, श्वांस व छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. सागर श्रीवास्तव, डॉ. आर.एस. चौहान, डॉ. अनुराधा चौहान, डॉ. सुभाष चौबे, डॉ. शकुंतला चौबे, डॉ. संगीता चौबे, डॉ. एस.के. चौरसिया, डॉ. लता चौरसिया, डॉ. एस.एस. बुंदेला, डॉ. के.के. चतुर्वेदी, डॉ. एल.सी. चौरसिया, डॉ. एस.के. दीक्षित, डॉ. आर.एस. त्रिपाठी व बड़ी संख्या में अन्य डॉक्टर्स सहित, डॉ. ब्र.कु. हिना, ब्र.कु. माधुरी बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों से 650 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया।

भिवंडी-महा.। देश की रक्षा करने वाले सैनिकों को सम्मानित करने के पश्चात् उपस्थित हैं केन्द्रीय पंचायती राज मंत्री कपिल पाटिल, ब्र.कु. अलका दीदी, महापौर प्रतिभा पाटिल, कमिश्नर शिंदे जी, शिवसेना शहर अध्यक्ष सुभाष माने तथा अन्य।

कोरबा-छ.ग.। कार्यालय डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट एवं जिला अग्नि शमन अधिकारी परिसर में अग्नि शमन शहीद दिवस सप्ताह के शुभारंभ पर स्मृति बहन द्वारा आसन प्राणायाम का अभ्यास कराया गया एवं ब्र.कु. लीना बहन ने राजयोग के बारे में बताते हुए इसकी गहन अनुभूति कराई। इस मौके पर पी.बी. सिदार,जिला सेनानी एवं जिला अग्नि शमन अधिकारी नगर सेवा कोरबा उपस्थित रहे।

राजकोट-राजनगर(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा डॉक्टर्स के लिए आयोजित 'हैप्प कैफे' कार्यक्रम में पचास डॉक्टर्स अपने परिवार सहित शामिल हुए। नए तरीके से आयोजित इस कैफे में एक घंटा आपस में छोटे-छोटे ग्रुप में सभी ने चर्चा की। ब्र.कु. भारती दीदी ने सभी को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया।

श्री नगर-ठाणे(मुम्बई)। 'मेडिटेशन एज़ मेडिसिन' विषय पर शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ब्र.कु. प्रो. ई.वी. स्वामीनाथन, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सीता बहन, ब्र.कु. मनीषा बहन व लगभग चालीस शिक्षकों सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिक्षकों को बच्चों को किस तरह से हैंडल करना है, इस पर भी ट्रेनिंग दी गई।

सुरत-ओलपाड(गुज.)। 'आत्मनिर्भर किसान अभियान-2022' के उद्घाटन में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. धर्मिष्ठा बहन व बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

जीरापुर-राजगढ़(म.प्र.)। सुरक्षित भारत अभियान के अंतर्गत 'सड़क सुरक्षा मोटर साइकिल यात्रा' पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए जनपद अध्यक्ष प्रकाश पुरोहित, पूर्व विधायक हजारीलाल दांगी, नगरपालिका अध्यक्ष बलराम टांक, भाजपा मंडल अध्यक्ष विष्णु पंवार, कॉलेज प्रोफेसर राधावल्लभ गुप्ता, राजगढ़ प्रभारी ब्र.कु. मधु बहन, पचोर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. वैशाली बहन तथा स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. नम्रता बहन।

बिलासपुर-टिकरापारा(छ.ग.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयुर्वेदिक महाविद्यालय के नए बैच के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित स्ट्रेस मैनेजमेंट विषय पर आयोजित कार्यशाला में सम्बोधित करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मंजू दीदी। इस अवसर पर प्रो. डॉ. मीनू खरे, सह प्रो. डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, आचार्य रजनीश कांत शर्मा, ब्र.कु. श्यामा बहन, विक्रम भाई एवं प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कटनी-म.प्र.। आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत चाका सेंटर की तरफ से मज़दूर दिवस के अवसर पर मज़दूरों का उत्साह बढ़ाने के लिए निकाली गई रैली में राज पैलेस होटल की मैनेजर सौम्या राधेलिया व एच.पी. गैस एजेन्सी से समिता गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।